नवप्रवर्तकों के हुनर को तराश रहा सीएसटी

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (सीएसटी) नव प्रवर्तकों के हुनर को तराशने के साथ ही उन्हें मुकाम दिला रहा है। परिषद के नवप्रवर्तन केंद्र में उनकी सोच साकार होती है। यहां नवप्रवर्तक नाम ही नहीं, पैसा भी कमाते हैं। सीएसटी में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। यही नहीं, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कम पढ़े-लिखे नव अन्वेषकों की सहायता भी की जाती है। उनके रचनात्मक शोध को यहां को सहयोग प्रदान किया जाता है।

- कम पढ़े-लिखे अन्वेषकों का भी है मददगार
- रचनात्मक शोध को यहां मिल रहा आकार

तीन नवप्रवर्तकों को भेजा बीएचयू

सीएसटी ने लखनऊ सहित प्रदेश के तीन नव प्रवर्तकों के प्रोजेक्ट का मूल्य संवर्धन करने और प्रोटोटाइप डिजाइन करने के लिए उन्हें आइआइटी बीएचयू भेजा है। इनमें लखनऊ के सुरजीत सिंह चौहान ने लाइट वेट एंड फास्ट साइकिल बनाई है। कानपुर के वीरेंद्र कुमार शुक्ला ने बैटरी चालित ई-बाइक बनाया है। वहीं, मिर्जापुर के जयप्रकाश बिंद ने कूड़ा उठाने वाली साइकिल तैयार की है।

इन कार्यों में मदद करता है सीएसटी

- समाज में रचनात्मकता और नव सृजन को प्रोत्साहित करना।
- मौलिकता एवं व्यवहारिकता की दृष्टि से उचित पाये जाने पर डिजाइन एवं पेटेंट में सहयोग करना।
- ग्रास रूट लेवल के टेक्नोलॉजिकल अन्वेषकों को चिन्हित करना।
- स्कूली बच्चों के मध्य टेक्नोलॉजिकल अन्वेषणों की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना।
- वैज्ञानिकों, अभियन्ताओं, शिल्प विज्ञानियों तथा डिजाइनरों से सम्पर्क स्थापित करना।
- स्थानीय नव सृजनों में सुधार व सम्वर्धन करना।

- नव अन्वेषकों एवं बाल वैज्ञानिकों को पुरस्कृत किया जाना।
- राष्ट्रीय स्तर पर नव अन्वेषकों को सम्मानित कराया जाना।

ठेला भरेगा कूड़ा, साइकिल झाड़ू भी लगाएगी

हुनर ने सोच को साकार कर दिया। मिर्जापुर के जयप्रकाश बिंद ने दो साल पहले स्वच्छता के लिए कुछ नया करने के बारे में सोचा था। पर, कामयाबी भर का हुनर नहीं था। फिर भी उन्होंने सार्थक प्रयास किया। सीएसटी में उनके हुनर को तराश गया तो उनका प्रयोग सफल हो गया। उन्होंने विशेष ठेला गाड़ी बनाई है। इसकी खासियत यह है कि आप इसे लेकर सड़क पर चलेंगे तो नीचे से यह कूड़ा ठेला में भरता जाएगा। इसके अलावा उन्होंने साइकिल में पिछला पहिया के साथ एक और पहिया फिटकर उसे चैन से जोड़ा। दोनों के बीच में एक पंखा लगाया है जो सड़क झाड़ू लगाने का काम करता है, साथ ही कूड़ा भी उठाता है। दोनों इनोवेशन को सीएसटी ने डिजाइन करने के लिए आइआइटी बीएचयू भेजा है। जयप्रकाश ने बताया कि आइआइटी में वह अपने इनोवेशन को मूर्त रूप देने में लगे हैं। जल्द ही इसे लोगों के बीच में उतारा जाएगा।

समय के साथ लेखन भी बदला